श्री घासीराम जी तापड़िया

नाम	:	श्री घासीराम जी तापड़िया
जन्मतिथि एवं स्थान	:	६ जनवरी १९२९, नागौर (राजस्थान)
व्यवसाय	:	कपड़ा व्यवसाय
पता	:	कलकत्ता क्लोथ स्टोर्स, पोस्ट : जोगबनी-८५४३२८ जिला : अररिया (बिहार)
दूरभाष	:	(०६४५५) ४२२२३,४२०२३
पता (निवास)	:	तापड़िया न्यू मार्केट, जोगबनी अररिया (बिहार)
पारिवारिक पृष्ठभूमि	:	
पिता	:	स्व. रूपचन्द्रजी तापड़िया, विराटनगर माहेश्वरी कुंज, वृंदावन के संस्थापक एवं कपड़े का थोक व्यापार व आढ़त
ससुराल पक्ष	:	
श्वसुर	:	स्व. भरूदान जी चाण्डक, नोखा मंडी (बीकानेर)
पत्नी	:	श्रीमती सरजू देवी तापड़िया
संतान	:	पुत्र-- श्री नारायण तापड़िया श्री रमेश तापड़िया श्री कमल तापड़िया श्री पवन तापड़िया श्री सुशील तापड़िया पुत्री--श्रीमती वीणा सारडा

आपका जन्म नागौर जिले के श्रीबालाजी नामक गांव में राजस्थान में हुआ। आपने अपना व्यवसायिक जीवन वर्तमान पाकिस्तान के एक शहर में शुरू किया। वहां की बिगड़ती हुई स्थिति को देखते हुए आप विराटनगर आ बसे और यहाँ कपड़े का थोक व्यापार शुरू किया। आपकी मेहनत और ईमानदारी रंग लाई। धीरे-धीरे एक के बाद एक व्यवसायिक सफलतायें अर्जित करते हुए आज आप की गणना कपड़े के अग्रणी व्यापारियों में होती हैं। आपके सुयोग्य पुत्र भी आपका व्यवसायिक कार्यों में सहयोग कर रहें हैं।

श्री तापड़िया जी की पहचान एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में विशेष रूप से है। १४-१५ वर्ष की आयु से सामाजिक कार्यो से जुड़े हुए आप अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्वांचल उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। आप ७ वर्षो तक बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रहे थे। आपके कार्यकाल की अनेकों उपलब्धियों में एक उपलब्धि आपके संयोजन में पिछले १७ वर्षो से जोगबनी में आँखों के आपरेशन हेतु निःशुलक कैम्प का आयोजन रहा है जहाँ करीब ३१०० आँखों के आपरेशन एवं चिकित्सा सम्पन्न हुई हैं।

जोगबनी में बालिकाओं के लिये स्कूल का आभाव देखते हुए आपने माहेश्वरी बलिका विद्यालय के निर्माण हेतु अपनी जमीन दान स्वरूप दी। आज इस भूमि पर निर्मित विद्यालय में २०० छात्राएँ शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। आप प्रारम्भ से ही विद्यालय के अध्यक्ष पद को सुशोभित कर रहे थे।

वृंदावन में अवस्थित माहेश्वरी कुंज की व्यवस्था आपके मार्गदर्शन में सुचारू रूप से चल रही है।

श्री तापड़िया जी का राजनीतिक क्षेत्र में भी योगदान रहा है।। आप स्थानीय स्तर पर जोगबनी नगरपालिका के उपाध्यक्ष रह चुके थे। आपके पुत्र श्री रमेश तापड़िया अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के भूतपूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं।

सुपुर्द किये गए काम को लग्नशील रहकर संतोषपूर्ण ढंग से समापन करना आपका एक वैयत्तिक गुण रहा जिसके कारण जीवन में आपने उपलब्धियाँ अर्जित की थी।

आज की पीढ़ी आपके गुणों का अनुसरण करके अपने जीवन को समाजोपयोगी बना सकती है।